कार्ल मार्क्स: ऐतिहासिक भौतिकवाद तथा उत्पादन प्रणाली

(Karl Marx: Historical Materialism & Mode of Production)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

ऐतिहासिक भौतिकवाद

- *The German Ideology* (with F. Engels), 1845
- इसे इतिहास की भौतिकवादी अवधारणा भी कहा जाता है।
- इतिहास एवं सामाजिक परिवर्तन का एक ऐसा सिद्धांत जो इतिहास, संस्कृति तथा सामाजिक परिवर्तन की समस्त व्याख्या भौतिक मूल्यों पर आधारित 'उत्पादन प्रणाली' के आधार पर करता है।
- मार्क्स ने द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद के सिद्धांत द्वारा यह स्थापित किया कि समाज के मूल में पदार्थ है तथा यह द्वन्द्वात्मक नियमों के कारण निरंतर परिवर्तनशील है।
- यह सिद्धांत इतिहास की व्याख्या मानव द्वारा विश्व और समाज के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए किए गए आर्थिक प्रयत्नों तथा मूलभूत आर्थिक भिन्नताओं के कारण उत्पन्न वर्ग संघर्ष के रूप में करता है।

अब तक के मानव समाज का इतिहास वर्ग–संघर्ष का इतिहास रहा है।

ऐतिहासिक भौतिकवाद

- मानव की उत्पत्ति के साथ एक आधारभूत आवश्यकता यह रही है कि मानव जीवित रहे, ताकि वह इतिहास की रचना कर सके।
- मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिए आवश्यक भौतिक वस्तुओं के उत्पादन का तरीका ही **आधार/ अधोसंरचना** होता है तथा इसी के अनुरूप समाज के अन्य पक्ष (राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, नैतिक आदि) निर्धारित होते हैं, जिन्हें मार्क्स ने अधिसंरचना की संज्ञा प्रदान की है।

कार्ल मार्क्स की सैद्धांतिक धुरी: उत्पादन प्रणाली

- **उत्पादन**: पहली ऐतिहासिक घटना/ क्रिया **(उत्पादन आवश्यकताओं के अनुरूप, न कि लालच के आधार पर)**
- **संबंधों के प्रकार**
  - व्यक्ति–वस्तु के मध्य का संबंध — **उत्पादन की शक्ति**
  - व्यक्ति–व्यक्ति के मध्य का संबंध — **उत्पादन के संबंध**

  उत्पादन की शक्ति + **उत्पादन के संबंध** → **उत्पादन के साधन**
- मार्क्स का मत है कि व्यक्ति–व्यक्ति के मध्य के संबंधों में प्रभुत्व तथा अधीनस्थ की भावना देखने को मिलती है।
- मार्क्स ने सामाजिक रूपांतरण (Social Transformation) शब्द का प्रयोग किया, जिसमें 'उत्पादन की शक्ति' तथा 'उत्पादन के संबंध' के साथ–साथ अन्य पक्षों (परिवार, धर्म, राजनीति, संस्कृति आदि) को भी शामिल किया गया है।
- समाज के दो भाग: आर्थिक अधोसंरचना तथा सामाजिक अधिसंरचना

अधोसंरचना–अधिसंरचना

अधिसंरचना (Superstructure)

वे समस्त वस्तुएँ, जिनका उत्पादन के साथ कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता।

कला, परिवार, संस्कृति, धर्म, दर्शन, **वैचारिकी**, कानून, नैतिकता, मूल्य, राजनीति, विज्ञान, शिक्षा आदि

उत्पादन प्रणाली/ अधोसंरचना/ आधार (Base/ Infrastructure)

उत्पादन की शक्ति: तकनीक, मशीन, उद्योग, भूमि, कच्चा माल

उत्पादन के संबंध: सर्वहारा–बुर्जुआ, श्रमिक–पूंजीपति, दास–मालिक आदि

अधोसंरचना प्रभुत्वशाली भूमिका में

ऐतिहासिक भौतिकवाद

क्र. सं.	काल/ समाज	वर्ग	उत्पादन प्रणाली	उत्पादन की शक्ति/ संबंध	संवाद के तौर पर उत्पन्न होने वाला नया युग/ समाज
1.	आदिम साम्यवाद	वर्ग विहीन समाज	प्रकृति तथा जंगल	शारीरिक श्रम (आरंभ में), हथियार (युग के अंत में)	दास युग
2.	दास युग/ समाज	दास तथा मालिक	पशुपालन तथा कृषि	हथियार व दास	सामंतवादी समाज
3.	सामंतवादी समाज	अर्द्धदास किसान तथा सामंत	जमींदारी	अर्द्धदास किसान	पूंजीवादी समाज
4.	पूंजीवादी समाज	श्रमिक तथा पूंजीपति	पूंजीवादी, औद्योगिक	बड़ी–बड़ी मशीनें, कारखानें और सर्वहारा	साम्यवादी समाज (यूटोपिया/ उपकल्पना)
5.	साम्यवादी समाज (यूटोपिया/ उपकल्पना)	वर्ग विहीन समाज	साम्यवादी व सामाजिक	सभी का समान रूप से अधिकार	—

Next Class:

कार्ल मार्क्स: वर्ग संघर्ष तथा अतिरिक्त मूल्य

(Karl Marx: Class Conflict & Surplus Value)